

धनानंदन द्वारा लिखी गई यह उपनिषद् एक अत्यनुष्ठान के बाहरी दृष्टि से लिखी गई है। इसमें विभिन्न धर्मों के विवरण दिए गए हैं। इसमें विभिन्न धर्मों के विवरण दिए गए हैं। इसमें विभिन्न धर्मों के विवरण दिए गए हैं। इसमें विभिन्न धर्मों के विवरण दिए गए हैं।